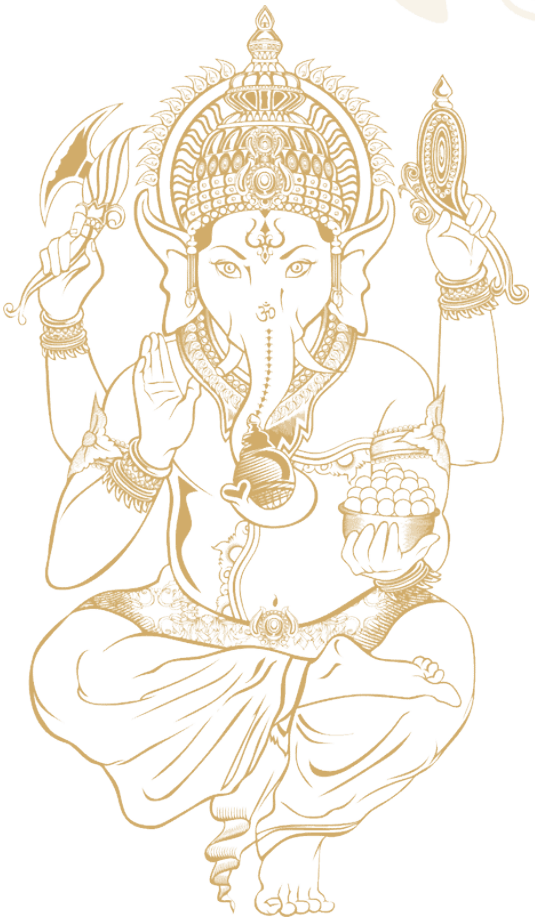

Mr.

11 Nov 2025

10:31 PM

Jind

Model: web-freekundliweb

Order No: 121802002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/11/2025**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**22:31:00 घंटे**
इष्ट	39:23:54 घटी
स्थान	**Jind**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:19:00 उत्तर
रेखांश	76:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:06:28 घंटे
वेलान्तर	00:16:01 घंटे
साम्पातिक काल	01:30:50 घंटे
सूर्योदय	06:45:26 घंटे
सूर्यास्त	17:31:38 घंटे
दिनमान	10:46:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	25:20:23 तुला
लग्न के अंश	07:49:54 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुक्ल
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डीगेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:49:54	305:51:45	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	---
सूर्य			तुला	25:20:23	01:00:20	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	नीच राशि
चंद्र			कर्क	19:00:51	13:18:48	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	स्वराशि
मंगल		अ	वृश्चि	10:56:22	00:43:24	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	स्वराशि
बुध	व		वृश्चि	12:21:40	00:17:58	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
गुरु	व		कर्क	00:56:00	00:00:00	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	11:45:04	01:15:13	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:10:41	00:01:44	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	21:55:13	00:00:29	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:55:13	00:00:29	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:38:03	00:02:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:22:57	00:00:56	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:20:34	00:00:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मेष	00:18:00	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:09

लग्न-चलित

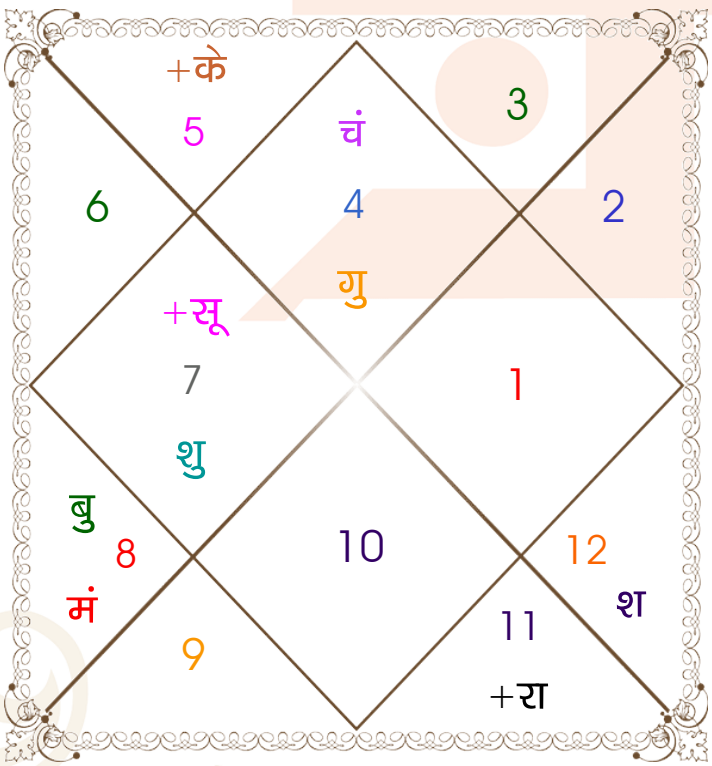

चन्द्र कुंडली

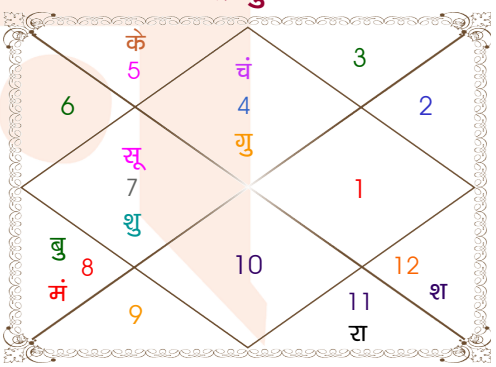

नवमांश कुंडली

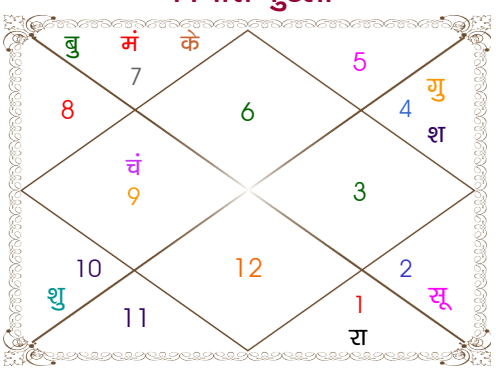

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 0 मास 2 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/11/2025		14/11/2039		14/11/2046		14/11/2066		14/11/2072	
14/11/2039		14/11/2046		14/11/2066		14/11/2072		14/11/2082	
	11/11/2025	केतु	12/04/2040	शुक्र	16/03/2050	सूर्य	04/03/2067	चंद्र	14/09/2073
केतु	09/04/2026	शुक्र	12/06/2041	सूर्य	16/03/2051	चंद्र	02/09/2067	मंगल	15/04/2074
शुक्र	07/02/2029	सूर्य	18/10/2041	चंद्र	14/11/2052	मंगल	08/01/2068	राहु	15/10/2075
सूर्य	14/12/2029	चंद्र	19/05/2042	मंगल	14/01/2054	राहु	02/12/2068	गुरु	13/02/2077
चंद्र	16/05/2031	मंगल	15/10/2042	राहु	14/01/2057	गुरु	20/09/2069	शनि	14/09/2078
मंगल	12/05/2032	राहु	02/11/2043	गुरु	15/09/2059	शनि	02/09/2070	बुध	14/02/2080
राहु	29/11/2034	गुरु	08/10/2044	शनि	14/11/2062	बुध	10/07/2071	केतु	14/09/2080
गुरु	06/03/2037	शनि	17/11/2045	बुध	14/09/2065	केतु	14/11/2071	शुक्र	16/05/2082
शनि	14/11/2039	बुध	14/11/2046	केतु	14/11/2066	शुक्र	14/11/2072	सूर्य	14/11/2082

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
14/11/2082		14/11/2089		15/11/2107		15/11/2123		15/11/2142	
14/11/2089		15/11/2107		15/11/2123		15/11/2142		00/00/0000	
मंगल	12/04/2083	राहु	27/07/2092	गुरु	03/01/2110	शनि	18/11/2126	बुध	13/04/2145
राहु	30/04/2084	गुरु	21/12/2094	शनि	16/07/2112	बुध	28/07/2129	केतु	12/11/2145
गुरु	06/04/2085	शनि	27/10/2097	बुध	22/10/2114	केतु	06/09/2130		00/00/0000
शनि	16/05/2086	बुध	16/05/2100	केतु	28/09/2115	शुक्र	06/11/2133		00/00/0000
बुध	13/05/2087	केतु	04/06/2101	शुक्र	29/05/2118	सूर्य	19/10/2134		00/00/0000
केतु	09/10/2087	शुक्र	03/06/2104	सूर्य	17/03/2119	चंद्र	19/05/2136		00/00/0000
शुक्र	08/12/2088	सूर्य	28/04/2105	चंद्र	16/07/2120	मंगल	28/06/2137		00/00/0000
सूर्य	15/04/2089	चंद्र	28/10/2106	मंगल	22/06/2121	राहु	04/05/2140		00/00/0000
चंद्र	14/11/2089	मंगल	15/11/2107	राहु	15/11/2123	गुरु	15/11/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 0 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।